

श्याम के दर से आया बुलावा | By Kumar Mukesh

श्याम के दर से आया बुलावा
दर्शन कर लो झोलियाँ भर लो
श्याम के दर से आया बुलावा.....

भरता है झोली सभी की वो खाली
देता सभी को है वो सहारा
पल में सँवारे पल में उबारे
कैसा नसीबा हो होता हमारा
श्याम के दर से आया बुलावा.....

श्याम सलोना छवि बड़ी न्यारी
चरणों पे तेरे जाएँ बलिहारी
तेरा दरस जिसने भी पाया
उसको तुमने भाव से तारा
श्याम के दर से आया बुलावा.....

मुख पर मेरे प्रभु नाम तेरा हो
सुबह और शाम यही काम मेरा हो
करू तेरी सेवा हर घडी हर पल
हर मुश्किल का है तुमसे ही हल
श्याम के दर से आया बुलावा.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%be-by-kumar-mu/>